राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

केक काटकर मनाया गया नवजात कन्याओं का जन्म दिवस

कुशीनगर, (संवाददाता)। जिलाधिकारी कुशीनगर महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिला प्रोबेशन कार्यालय द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय रविन्द्रनगर घूस के सभागार में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 03 दिवस पूर्व तक जन्म ली कन्याओं का जन्म दिवस केक काटकर मनाया गया। इस दौरान 10 नवजात कन्याओं की माताओं में साजरा खातून पत्नी युनुस आलम, आसिया पत्नी मो० इस्लाम अंसारी, सुशीला देवी हरेन्द्र कुशवाहा, सविता चौहान पत्नी शिवनाथ चौहान तथा निभा देवी राहुल पटेल को मिष्ठान, अंगवस्त्र, बेबी किट, हल्दी पैकेट, गुड़िया, चाकलेट आदि।

वर्ष – 03 | अंक – 279 | जौनपुर | गुरुवार, 29 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

एनडीए सरकार एनटी रामाराव गारू के विजन को पूरा कर रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एनटी रामाराव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समाज की सेवा करने और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनके सिनेमाई काम भी दर्शकों को रोमांचित करते रहते हैं। हम सभी उनसे बहुत प्रेरित हैं। मेरे मित्र चंद्रबाबू नायडू गारू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार एनटीआर के विजन को पूरा करने के लिए काम कर रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एन.टी. रामाराव गारू को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, युगपुरुष, विश्वविख्यात अभिनेता, तेलुगू भाषियों के आदर्श, दुनिया को तेलुगू लोगों का स्वाभिमान दिखाने वाले महापुरुष, कल्याण का नया रास्ता दिखाने वाले समाज सुधारक, श्श्नाच नंदमुरी तारक रामाराव को उनकी 102वीं जयंती पर कोटि–कोटि नमन। नायडू ने एनटीआर के विजन को याद करते हुए आगे लिखा, एनटीआर वो वीर व्यक्ति थे जिन्होंने गरीब लोगों की तीन जरूरतों को पूरा करना अपने जीवन का कार्य माना। रोटी, कपड़ा और मकान। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने श्समाज ही मंदिर है, लोग ही भगवान हैंश के नारे के साथ लोकतंत्र को एक नया अर्थ दिया। पक्के घरों के निर्माण के साथ गरीबों के साथ खड़े हुए, या सिर्फ 2 रुपये प्रति किलो चावल उपलब्ध कराकर गरीबों की भूख मिटाई। उन्होंने जो भी किया, उनके दिमाग में एक ही बात थी। मेरा तेलुगू राष्ट्र सम्मान के साथ खड़ा होना चाहिए। तेलुगू देशम आज भी अगर चमक रही है।

हम भ्रष्टाचार के खिलाफ, न्यायपालिका का करते हैं सम्मान : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार की ओर से जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की संभावना पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। बुधवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को सरकार की ओर से अभी तक ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, गुण–दोष के आधार पर प्रस्ताव की जांच करने के बाद कांग्रेस का दृष्टिकोण बनेगा। लेकिन हम एक बात स्पष्ट करना चाहते हैं, यह इस विशेष मामले के बारे में नहीं है। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं। हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के श्एक्सश् पोस्ट पर कांग्रेस सांसद ने कहा, अल्प ज्ञान खतरनाक होता

है। फिर भी विदेश मंत्रालय ने उनकी ब्रीफिंग ठीक से नहीं की। भारत से विदेश गया प्रतिनिधिमंडल, भारत का अपमान नहीं कर सकता है। भारत माता की नीतियों के खिलाफ नहीं बोल सकता है क्योंकि उस समय तत्कालीन सरकार की नीतियां देश की नीतियां होती हैं। सांसद ने कहा, मैं पिछले 3 से 4 दिनों से लगातार देख रहा हूं कि भाजपा सांसद कांग्रेस का विरोध करते हुए भारत का विरोध करने लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाई 35 लाख की चोरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)।दिल्ली पुलिस की पश्चिम जिला इकाई ने मोती नगर थाना क्षेत्र में हुई 35 लाख रुपये की चोरी की गुत्थी को 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया। इस मामले में कंपनी के अकाउंटेंट विवेक राज उर्फ साहिल को गिरफ्तार किया गया है और उससे 34,98,550 रुपये की नकदी बरामद की गई है। यह कार्रवाई पुलिस की त्वरित और समर्पित जांच का परिणाम है, जिसने एक बड़े अपराध ा को जल्दी सुलझाने में सफलता हासिल की। 24 मई को मोती नगर थाने को डायनेमिक फोर्ज कंपनी के करमपुरा स्थित कार्यालय (मैन्नम हाउस–2, कार्यालय नंबर 105, मिलन सिनेमा के सामने) से 35 लाख रुपये की चोरी की सूचना मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने कार्यालय की एक बंद अलमारी में 35 लाख रुपये रखे थे और फिर कंपनी की लाजपत नगर शाखा के लिए निकल गया। उस समय कार्यालय में केवल अकाउंटेंट विवेक राज मौजूद था। शाम करीब 7रू15 बजे जब शिकायतकर्ता लौटा, तो उसने अलमारी खुली और नकदी से भरा बैग खाली पाया। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर वरुण दलाल, एसएचओ मोती नगर, की अगुवाई में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में एसआई प्रवीण कुमार, एएसआई राजिंदर, हेड कांस्टेबल अमित और जतिन शामिल थे। टीम ने गुरुग्राम, नोएडा और आजमगढ़ में कई छापेमारी कीं और 40 से अधिक होटलों की तलाशी ली। स्थानीय लोगों और होटल कर्मचारियों को आरोपी की तस्वीर दिखाकर जानकारी जुटाई गई। 26 मई को एक गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस आजमगढ़ के मंगलम होटल पहुंची। वहां होटल स्टाफ ने कमरे में मौजूद व्यक्ति की पहचान विवेक राज के रूप में की। पूछताछ में उसने चोरी की बात कबूल की और बताया कि नकदी एक काले कैरी बैग में बिस्तर पर रखी है। पुलिस ने होटल स्टाफ और गवाहों की मौजूदगी में बैग की जांच की, जिसमें 34,98,550 रुपये बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी विवेक राज उर्फ साहिल (23 वर्ष), पुत्र बिहारी लाल, हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर के भंगरोला गांव का निवासी है वह कंपनी में अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत था।

उप्र में 676 कोविड कार्मिकों के समायोजन को हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोविड महामारी के दौरान उत्तर प्रदेश के

विभिन्न जिलों में अस्थाई, अल्पकालिक, संविदा एवं आउटसोर्स पदों पर कार्यरत कर्मियों के विभागीय समायोजन को हरी झंडी मिल गई है। यह वे कर्मचारी हैं जो पिछले समायोजन में छूट गए थे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में इन कर्मियों का समायोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व कई कर्मियों का विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में समायोजन हो चुका है। पाठक ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान प्रदेश भर से कार्मिकों को विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में अस्थाई रूप से भर्ती किया गया था और कुछ समय पूर्व से इन कार्मिकों से कार्य नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन कर्मचारियों की मांग के आधार पर विभिन्न जनपदों में 1834 कर्मचारियों को समायोजित कर लिया गया था तथा शेष 676 कर्मचारियों को समायोजित करने के निर्देश मंगलवार को जारी कर दिए गए हैं। पाठक ने बताया कि इन कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अगले एक माह में समायोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

निशिकांत दुबे ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का पत्र शेयर कर कांग्रेस से पूछा सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को एक बार फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के राजीव गांधी को लिखे पत्र को लेकर कांग्रेस से सवाल किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि श्गांधी होना आसान नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र शेयर करते हुए लिखा, गांधी होना आसान नहीं। यह पत्र अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का तत्कालीन भारतीय प्रध ानमंत्री राजीव गांधी के द्वारा लिखे पत्र के उत्तर में है। 1972 के शिमला समझौते के तहत जब यह तय हो गया कि भारत–पाकिस्तान के बीच किसी विवाद पर बातचीत केवल दोनों देशों के बीच होगी, कोई मध यस्थ नहीं होगा, तो भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रीगन से पाकिस्तान से बातचीत के लिए मदद क्यों मांगी? इससे पहले, उन्होंने 27 मई को अपने एक्स हैंडल पर कुछ पोस्ट शेयर कर

कांग्रेस से सवाल किया था। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा था, आयरन लेडी इंदिरा गांधी अमेरिकी दबाव में 1971 का युद्ध तत्कालीन रक्षा मंत्री जगजीवन राम जी और सेनाध्यक्ष सैम मानेकशॉ के विरोध के बावजूद भारत ने खुद ही रोक दिया। बाबू जगजीवन राम चाहते थे कि कश्मीर का हमारा हिस्सा जो पाकिस्तान ने जबरदस्ती कब्जा कर रखा है, उसको लेकर ही युद्ध बंद हो। लेकिन, आयरन लेडी का डर और चीन का दहशत यह नहीं कर पाया? भारत के लिए फायदा अपनी भूमि तथा करतारपुर गुरुद्वारा लेना था या बांग्लादेश बनाना? पूरी रिपोर्ट पढ़िए आयरन लेडी की राजनीतिक दृष्टि समझिए? भारत–पाक सीजफायर पर कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार पर सरेंडर करने के आरोप को लेकर भी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि सरेंडर करने का काम तो कांग्रेस ने 1991 में किया था। अब समय आ गया है कि इस समझौते की जांच की जाए कि किन परिस्थितियों में यह समझौता हुआ।भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि 1991 का समझौता तब हुआ था जब कांग्रेस समर्थित सरकार सत्ता में थी। इसे 1994 में लागू किया गया था जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। उस समझौते में आपने कहा था कि हमारी सेना कहां तैनात होगी, नौसेना कहां तैनात होगी, वायुसेना कैसे कार्रवाई करेगी।

बिना अनुमति पेड़ों की कटाई के लिए डीडीए अधिकारियों पर जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डीडीए के अधिकारियों ने दिल्ली के दक्षिणी रिज में सड़कों को चौड़ा करने के लिए अवैध तरीके से पेड़ों की कटाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अवमाननापूर्ण कार्रवाई माना और पेड़ों की अवैध कटाई के लिए जिम्मेदार डीडीए अधिकारियों पर 25–25 हजार रुपये जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए और दिल्ली सरकार के अधिकारियों के लिए कुछ विस्तृत दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और दिल्ली में हरित कवर को बढ़ाने के लिए डीडीए और दिल्ली सरकार को सुझाव देगी। जस्टिस सूर्यकांत और

जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने निर्देश दिया कि अब से वनरोपण, सड़क निर्माण, पेड़ों की कटाई या संभावित पारिस्थितिक प्रभाव वाली किसी भी गतिविधि से संबंधित प्रत्येक अधिसूचना या आदेश में इस न्यायालय के समक्ष संबंधित कार्यवाही के लंबित होने का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। जस्टिस टी विनोद कुमार को मद्रास हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस टी विनोद कुमार को तेलंगाना उच्च न्यायालय से मद्रास उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 26 मई की बैठक में यह सिफारिश की। 17 नवंबर 1964 को जन्मे जस्टिस विनोद कुमार ने नलगोंडा जिले के सूर्यापेट से शुरुआती पढ़ाई की। इसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए हैदराबाद चले गए। उन्होंने ओस्मानिया यूनिवर्सिटी से स्नातक और एलएलबी की पढ़ाई की। साल 1988 में जस्टिस कुमार आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में वकील के तौर पर पंजीकृत हुए। साल 2015 में वे आयकर विभाग के स्टैंडिंग काउंसल नियुक्त हुए और साल 2016 में वाणिज्यिक कर के लिए विशेष स्टैंडिंग काउंसल। 26 अगस्त 2019 को उन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय में बतौर जज नियुक्त किया गया। जस्टिस विनोद कुमार के अलावा कॉलेजियम ने राजस्थान, त्रिपुरा, झारखंड और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के ट्रांसफर की भी सिफारिश की। इनमें जस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव को राजस्थान से मद्रास है।

खरीफ फसलों पर बढ़ाई एमएसपी ब्याज सहायता योजना का भी ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025–26 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 69 रुपये बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10–11 सालों में खरीफ फसलों के लिए डेढ़ में भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में, खरीफ विपणन सत्र 2025–26 के लिए कैबिनेट द्वारा 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50: को भी ध्यान में रखा गया है। दालों की बात करें तो 2025–26 के खरीफ सत्र के लिए तुअर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़कर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का 86 रुपये बढ़ाकर 8,768 रुपये प्रति

क्विंटल कर दिया गया है। रामतिल, रागी, कपास और सेसम (तिल) के लिए एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में उच्चतम पूर्ण वृद्धि की सिफारिश की गई है। खरीफ फसलों के 2025–26 के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018–19 के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर करने की घोषणा की गई थी। अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्याज सहायता योजना को मंजूरी दी है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की गई थी। इससे किसानों के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्त करना बहुत आसान हो गया था।

भाजपा एमएलसी के बयान के बाद से हो रही चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी एन रविकुमार के खिलाफ कलबुर्गी की डिप्टी कमिश्नर फौजिया तरन्नुम के खिलाफ कथित

पाकिस्तानी टिप्पणी करने के संबंध में शिकायत दर्ज की गई थी। बाद में खेद व्यक्त करते हुए उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और इसे जुबान फिसलने की बात कही। आईएएस अधिकारियों का संघ फौजिया तरन्नुम के समर्थन में उतर आया। रविकुमार ने आईएएस अधिकारी पर कांग्रेस पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया था और कथित तौर पर कहा था, ऐसा लगता है कि वह पाकिस्तान से आई हैं। फौजिया तरन्नुम 2015 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं, जो वर्तमान में कर्नाटक के कलबुर्गी जिले की डिप्टी कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें उनकी अनुकरणीय सार्वजनिक सेवा के लिए मान्यता दी गई है, विशेष रूप से 2024 के चुनावों के दौरान मतदाता सूची प्रबंधन में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए जनवरी 2025 में भारत के राष्ट्रपति से सर्वश्रेष्ठ चुनावी व्यवहार पुरस्कार प्राप्त हुआ। 2011 में शुरू में भारतीय राजस्व सेवा (पै) के लिए चुनी गईं, वह पै में शामिल होने की ख्वाहिश रखती थीं और 2014 में उन्होंने यह लक्ष्य हासिल कर लिया। कलबुर्गी रोटी को एक ब्रांड के रूप में बढ़ावा देने और क्षेत्र में बाजरा को मुख्य भोजन के रूप में फिर से पेश करने जैसी पहलों के माध्यम से सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण को और अधिक मान्यता मिली है। जिसके लिए उन्हें शासन में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला है।

भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर संजय राउत ने उठाया सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर सवाल उठाया और रिकॉर्ड उच्च बेरोजगारी और घटते विदेशी निवेश के बीच जश्न मनाने के आधार को चुनौती दी। मीडिया से बात करते हुए राउत ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि जिस देश में 85 करोड़ लोग अभी भी मुफ्त खाद्यान्न पर निर्भर हैं, वहां इस तरह के दावे खोखले हैं। संजय राउत ने कहा कि जिस देश में आज भी प्रधानमंत्री मोदी को 85 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है, जहां बेरोजगारी अपने चरम पर है और विदेशी निवेश आना बंद हो गया है, आप किस आधार पर दावा कर रहे हैं कि हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं? शुक्रवार शाम को नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम ने श्विकसित भारत 2047

के लिए विकसित राज्यश विषय पर 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल मीटिंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए भारत के शीर्ष थिंक टैंक के सीईओ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंच गई है। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि मैं जब बोल रहा हूं, तब हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की है। यह मेरा डेटा नहीं है यह आईएमएफ का डेटा है। आज भारत जापान से बड़ा है। केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही उससे बड़े हैं, और अगर हम उसी पर टिके रहें जो योजना बनाई जा रही है, जिस पर विचार किया जा रहा है, तो यह अगले दो से तीन साल की बात है हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। इससे पहले मंगलवार को प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की सीढ़ी पर एक पायदान ऊपर जाने का दबाव बढ़ रहा है, और यह भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के उत्साह और खुशी से कहीं आगे निकल गया है।

संपादकीय

सामूहिक आत्मघात

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां–बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां–बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां–बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने–पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता–खेलता परिवार हमेशा–हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें।

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था दृवास्तव में, यह किसी परीक्षा–पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नजर रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं। सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि–सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है।

इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए। पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है। दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यतः पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार–प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाजा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता। स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। अब उपलब्ध फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चलता है कि भारत के यूएवी और मिसाइलों के हमले बहुत प्रभावी रहे, और यह तथ्य है कि पाकिस्तान भर में फैले उसके ग्यारह फ्रंटलाइन एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना ने करारी चोट की है और यह हमारी पहुंच और हथियारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु–शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की। तीसरा, हालांकि एस–400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है। ड्रोन और एंटी–ड्रोन सिस्टम की प्रचुर उपलब्धता रहने के पीछे क्षेत्रीय कमानों के वाइस चीफ और कमांडर–इन–चीफ को दी गई आपातकालीन शक्तियों का परिणाम भी हो सकता है। वहीं भारतीय वायुसेना द्वारा डिजाइन की गई कम दूरी की एंटी–एयरक्राफ्ट प्रणाली, सरफेस–टू–एयर मिसाइल फॉर एश्योर्ड रिटेलिएशन (एसएएमएआर) के रूप में अपने ही संस्थानों में विकसित किए स्वदेशी अस्त्र बहुत काम आए। यह एसएएमएआर हमने सरफेस–टू–एयर मिसाइल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली रूस निर्मित आर–73 और आर–27 एयर टू एयर मिसाइलों का नवीनीकरण करके पाया है (वरना इससे पहले उनका जीवनकाल समाप्त होने पर कबाड़ के रूप में खुर्द–बुर्द करना पड़ता था)। यह बताता है कि हमारे अपने संस्थानों में तीक्ष्ण बुद्धि दिमाग हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। यहां पर, उन अथक वायु रक्षा गनर्स (जिन्होंने लगातार एल–70 एंटी एयरक्राफ्ट गन जैसे रिवायती शस्त्रास्त्र चलाए) और बीएसएफ के जवान (जिन्होंने एंटी–यूएवी सिस्टम को प्रभावशाली रूप से इस्तेमाल किया) द्वारा किए गए अद्भुत काम की सराहना करना लाजिमी है। चौथा, एक आम आदमी जिसकी सूचना तक पहुंच केवल मीडिया से मिले समाचारों तक थी, लगता है इस बारे में नागरिक–सैन्य–राजनयिक तंत्र ने अच्छा काम किया है। एक ईमानदार मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है कि क्या नवीनतम स्थिति युद्ध विराम समझौते की ओर ले जाने वाली घटनाओं और युद्ध विराम को स्वीकार करने से पहले मिले आश्वासनों के अनुरूप है। इसका उत्तर इस एक अकेले प्रश्न के उत्तर में निहित होगा, क्या हर बार आतंकवादी कार्रवाई होने पर इस किस्म की गतिज कार्रवाई करने की आवश्यकता पड़ेगी? हालांकि पाकिस्तान को याद रहे कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा होने पर बदले में दंडात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। पांचवां, क्या युद्ध विराम इस बात का संकेत है कि हम लगभग पूर्ण युद्ध की कगार पर पहुंच चुके थे? कुछेक प्रश्नों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। पहलगाम के आतंकवादी कहां हैं, जिन्होंने अपने निर्दयी नरसंहार से यह सब शुरू किया था? क्या यह आश्वासन दिया गया है ।

बेमौसम बरसात से बिगड़े कृषि समीकरण

पंकज

कहते हैं, जब जेठ तपता है, तब आषाढ़ बरसता है और सावन–भादों में झड़ी लगती है। लेकिन इस वर्ष नौतपा में, जब देश को गर्मी से झुलसना चाहिए था, तब तो जैसे सावन ही आ गया होकृ बारिश की झड़ी लग गई। मौसम वैज्ञानिक इसे मानसून–पूर्व वर्षा मानते रहे, परंतु चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बयार समय से पहले ही दस्तक दे गई। हमारे देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना मानसून पर गहराई से निर्भर है। इस वर्ष केरल में मानसून 24 मई को, यानी सामान्य तिथि से आठ दिन पहले पहुंच गया। कर्नाटक और मुंबई में भी 26 मई को मानसून ने समय से पहले ही दस्तक दे दी। हालांकि इस असामयिक बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून यूं ही अनियमित होता रहा, तो देश के कई आर्थिक और कृषि संबंधी समीकरण बिगड़ सकते हैं। भारत में जलवायु की मुख्यतः तीन अवस्थाएं मानी जाती हैं दृ मानसून–पूर्व, मानसून और मानसून–पश्चात। इसी कारण भारत की जलवायु को 'मानसूनी जलवायु' कहा जाता है। देश की खेती, हरियाली और वर्ष भर के जल संसाधनों की व्यवस्था इसी बरसात पर निर्भर करती है। भारतीय मानसून मुख्यतः गर्मियों के दौरान वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले परिवर्तनों पर आधारित होता है। जैसे ही गर्मी की शुरुआत होती है, सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ–साथ अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तर की ओर स्थानांतरण होने लगता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है, जिससे मानसून की स्थितियां बनती हैं। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सर्दियों में 'अल–नीनो' और अन्य मौसमों में 'ला नीना' जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं भारत के मानसून–तंत्र को प्रभावित कर रही हैं, जिससे मानसून का समय और स्वरूप दोनों ही अस्थिर हो रहे हैं। इस साल बहुत पहले और बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि माना जा रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। वैश्विक तापमान बढ़ने के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलावा दिया है। बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है। जल्दी मानसून के कुछ वैश्विक कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन–जूलियन ऑसिलेशन हिंद महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक वैश्विक मौसमी घटना है। इसके अनुकूल चरण (चरण–3 और चरण–4 की शुरुआती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण वैश्विक कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न–स्तरीय पवन धारा दृ मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है। इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है।

.... विविध ....

मिल गया 100 साल तक जीने का नुस्खा, ये 4 आदतें देगी लंबी उम्र की गारंटी

एथेल कैटरहम नामक 115 वर्षीय सरे की महिला को आधिकारिक तौर पर सबसे बुजुर्ग जीवित इंसान का खिताब दिया गया है। इस खबर को पढ़ने वाले कई लोगों को आश्चर्य हो सकता है कि कैटरहम का रहस्य क्या है। अगर आप भी लंबा जीने की इच्छा रखते हैं तो आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे। ये 4 आदतें हमें लंबा जीवन जीने की संभावना बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

1. शारीरिक गतिविधि

शारीरिक गतिविधि आपके लिए अच्छी है। शोध से पता चलता है कि जो लोग हर दिन अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय होते हैं वे लंबे, स्वस्थ जीवन जीते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि बिना किसी शारीरिक गतिविधि के प्रति सप्ताह लगभग 75 मिनट तेज चलने से जीवन प्रत्याशा में लगभग दो साल की वृद्धि हुई। लेकिन शायद कम ही लोग जानते हैं कि निष्क्रियता आपके स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए कितनी बुरी है। यदि आप लंबे समय तक जीना चाहते हैं तो आपको यथासंभव लंबे समय तक बैठने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए व्यावहारिक सुझावों में हर 30 मिनट में खड़े होना, किसी को कॉल या ईमेल करने के बजाय कार्यालय में उससे मिलने जाना और यात्रा के दौरान सार्वजनिक परिवहन पर खड़े रहना शामिल है। इसके अलावा, ज्यादातर दिनों में लगभग 30 मिनट मध्यम व्यायाम करने का लक्ष्य रखने से आपको लंबे, स्वस्थ जीवन की संभावना को अधिकतम करने में मदद मिलेगी।

2. सब्जियां खाएं

कई बच्चों को यह सलाह पसंद नहीं आतीरू अगर आप लंबे समय तक जीना चाहते हैं तो सब्जियां खाएं। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में 30 साल की अवधि में लगभग 100,000 लोगों का अनुसरण किया गया, जिसमें पाया गया कि जो लोग 70 साल की उम्र तक अच्छे स्वास्थ्य में रहे (जिसका अर्थ है कि उन्हें कोई पुरानी बीमारी नहीं थी) वे आम तौर पर ज्यादा फल, सब्जियां, साबुत अनाज, मेवे और फलियां खाते थे, और कम ट्रांस–वसा, लाल या प्रसंस्कृत मांस, तले हुए खाद्य पदार्थ और मीठे खाद्य पदार्थ खाते थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अध्ययन यह नहीं कहता है कि आपको शाकाहारी होना चाहिए, या कभी भी लाल मांस नहीं खाना चाहिए – यह केवल स्वस्थ उम्र बढ़ने से जुड़े आहार के रुझानों की पहचान करता है।

3. नींद

नियमित, अच्छी गुणवत्ता वाली नींद आजीवन स्वास्थ्य और समग्र दीर्घायु के लिए भी महत्वपूर्ण है। लगभग 500,000 ब्रिटिश लोगों के एक अध्ययन में, अनियमित नींद पैटर्न नियमित नींद पैटर्न वाले लोगों की तुलना में जल्दी मृत्यु के 50: अधिक जोखिम से जुड़े थे। शिफ्ट में काम करने वाले लोगों में स्ट्रोक का जोखिम अधिक था, और नर्सें जो दशकों तक रोटेटिंग शिफ्ट में काम करती थीं, वे कम स्वस्थ थीं और शिफ्ट में काम न करने वाली नर्सों की तुलना में सेवानिवृत्ति के समय उनकी मृत्यु पहले हुई। जबकि यह डेटा बताता है कि अच्छी गुणवत्ता वाली, नियमित नींद अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, आपको कितनी नींद की आवश्यकता है और आपको कब बिस्तर पर जाना चाहिए, यह अत्यधिक व्यक्तिगत प्रतीत होता है। इससे जनसंख्या–व्यापी सिफारिशें देना मुश्किल हो जाता है – यही कारण है कि छ‡ वयस्कों को 7–9 घंटे की नींद लेने की सलाह देता है।

चेहरे पर आते बालों की ग्रोथ होगी कम, ट्राई करें ये असरदार घरेलू टिप्स

चेहरे पर अनचाहे बालों का आना महिलाओं के लिए चिंता और शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। यह न सिर्फ सौंदर्य को प्रभावित करता है बल्कि आत्मविश्वास भी कम कर सकता है। खासतौर पर होंठों के ऊपर, ठुड्डी, गाल और माथे पर जब बाल ज्यादा दिखते हैं तो उन्हें बार–बार हटाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि बाजार में इससे छुटकारा पाने के लिए कई उत्पाद और ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन अगर आप प्राकृतिक और सुरक्षित उपायों की तलाश में हैं, तो कुछ घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

चेहरे पर बाल आने के कारण

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि चेहरे पर फेशियल हेयर क्यों आते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं–

हार्मोनल असंतुलन

महिलाओं के शरीर में सामान्य रूप से एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन ज्यादा होते हैं, लेकिन जब टेस्टोस्टेरोन (जो कि पुरुष हार्मोन होता है) का स्तर बढ़ने लगता है, तो वह शरीर पर पुरुषों जैसे लक्षण उत्पन्न करने लगता है। इससे आवाज भारी होना, पीरियड्स में अनियमितता और चेहरे पर बाल आना शामिल हो सकता है। यह स्थिति हिर्सूटिज्म (भ्पतेनजपेउ) कहलाती है, जिसमें महिला के चेहरे, सीने, पीठ और पेट जैसे हिस्सों पर मोटे और काले बाल आने लगते हैं। यह हार्मोनल बदलाव थायरॉइड की गड़बड़ी, स्ट्रेस, या कुछ दवाइयों के कारण भी हो सकता है।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

च्ब्व्‌ै एक आम स्त्री रोग है जो आजकल बहुत सी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में ओवरीज में छोटे–छोटे सिस्ट बन जाते हैं और शरीर में एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है। यही हार्मोन फेशियल हेयर ग्रोथ को ट्रिगर करते हैं। पीसीओएस की वजह से महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, मुंहासे, वजन बढ़ना, और बाल झड़ने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह भविष्य में बांझपन (पदमितजपसपजल) का कारण भी बन सकता है। इस कारण से चेहरे पर बार–बार बाल हटवाने के बावजूद उनका उगना जारी रहता है।

अनुवांशिक कारण

कई बार चेहरे पर अनचाहे बालों का आना किसी बीमारी या हार्मोनल बदलाव के कारण नहीं बल्कि परिवारिक प्रवृत्ति की वजह से होता है। अगर आपकी मां, बहन या नानी–दादी को चेहरे पर ज्यादा बाल आते थे, तो यह संभावना है कि आपको भी यही समस्या हो सकती है। यह एक जेनेटिक विशेषता होती है जिसे पूरी तरह खत्म करना मुश्किल होता है, लेकिन घरेलू उपायों और मेडिकल ट्रीटमेंट की मदद से इसकी तीव्रता को जरूर कम किया जा सकता है।

दवाइयों का असर

कुछ विशेष दवाइयां, जैसे कि स्टेरॉइड्स, कुछ हार्मोनल पिल्स या थायरॉइड की दवाएं, शरीर में हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। इससे चेहरे पर बाल बढ़ सकते हैं। लंबे समय तक ऐसी दवाओं का सेवन करने से शरीर के हार्मोन असंतुलित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप हिर्सूटिज्म जैसी स्थिति विकसित हो सकती है। यदि किसी महिला को किसी बीमारी के लिए लम्बे समय तक ऐसी दवाइयां लेनी पड़ रही हों, तो डॉक्टर से सलाह लेकर उनके विकल्प तलाशना जरूरी हो सकता है।

चेहरे के बालों की ग्रोथ रोकने के घरेलू उपाय

इन सभी कारणों के बावजूद, कुछ प्राकृतिक उपाय अपनाकर फेशियल हेयर ग्रोथ को कम किया जा सकता है। जैसे दृ हल्दी और बेसन का पेस्ट, नींबू–शहद की मालिश, पपीते का फेसपैक, ओट्स स्क्रब आदि। ये उपाय बालों की जड़ों को कमजोर करने और त्वचा को साफ, नर्म और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि घरेलू उपायों का असर धीरे–धीरे दिखता है, इसलिए इन्हें लगातार और धैर्य के साथ अपनाना जरूरी होता है।

हल्दी और बेसन का पैक

2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच हल्दी और थोड़ा सा दूध या गुलाब जल मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और सूखने दें। सूखने के बाद स्क्रब करते हुए धो लें। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं और बेसन डेड स्किन के साथ बालों को भी हटाता है।

चीनी, नींबू और पानी का स्क्रब

1 चम्मच चीनी, 1 चम्मच नींबू का रस और थोड़ा पानी मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें। चीनी एक नैचुरल एक्सफोलिएटर है और नींबू में ब्लीचिंग एजेंट होते हैं, जो बालों को हल्का और कम करते हैं।

अंडा और कॉर्नफ्लोर मास्क

1 अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच कॉर्नफ्लोर और 1 चम्मच चीनी मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। जब यह पूरी तरह सूख जाए, तो धीरे–धीरे ऊपर की दिशा में खींचते हुए निकालें। यह मास्क वैक्स की तरह काम करता है और बालों को जड़ से निकालने में मदद करता है।

पपीता और हल्दी का पैक

थोड़ा सा कच्चा पपीता मैश करके उसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं। इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। पपीता बालों की जड़ों को कमजोर करता है और बालों की ग्रोथ धीमी कर देता है।

ओट्स और केले का स्क्रब

1 चम्मच ओट्स पाउडर और 1 पका हुआ केला मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 10 मिनट तक स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह स्क्रब त्वचा को मुलायम बनाता है और धीरे–धीरे फेशियल हेयर की ग्रोथ को कम करता है।

क्या न करें

बार–बार रेजर का उपयोग करने से बाल मोटे और जल्दी उग सकते हैं। बाजार में मिलने वाले ब्लीच और हेयर रिमूवर क्रीम्स से एलर्जी या रिएक्शन हो सकता है। बिना डॉक्टरी सलाह के हार्मोनल दवाइयों का सेवन न करें।

चेहरे पर अनचाहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपाय एक बेहतर और सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, अगर समस्या ज्यादा बढ़ रही है या हार्मोनल असंतुलन का शक है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है। प्राकृतिक उपायों को धैर्य के साथ अपनाएं, क्योंकि इनके परिणाम धीरे–धीरे मिलते हैं, लेकिन लंबे समय तक टिके रहते हैं।

प्रदेश में 29 मई से होने वाली बिजली कर्मियों की हड़ताल स्थगित

लखनऊ, (संवाददाता)। पावर कार्पोरेशन की ओर से हर स्तर पर कड़ाई करने, कार्य बहिष्कार को हड़ताल की श्रेणी में मानते हुए निरंतर कार्रवाई करने, वैकल्पिक व्यवस्था का रास्ता अपनाने के बाद निजीकरण के विरोध में आंदोलन चला रहे बिजली अभियंताओं एवं अन्य कार्मिकों ने भी रास्ता बदल दिया है। अब 29 को होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित कर दिया गया है। इस दिन निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन होगा। पावर कार्पोरेशन प्रबंधन के साथ असहयोग आंदोलन चलता रहेगा। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स की मंगलवार को बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि निजीकरण के विरोध में 29 मई से होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित रखा जाएगा। इस दिन देशभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 29 मई से प्रबंधन के साथ पूर्ण असहयोग आंदोलन चलाया जाएगा। कार्पोरेशन के अध्यक्ष की वीडियो कांफ्रेसिंग का बहिष्कार होगा, लेकिन उपभोक्ताओं को कोई कठिनाई नहीं होने दी जाएगा। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एण्ड इंजीनियर्स ने यह भी कहा है कि यदि प्रदेश सरकार निजीकरण के लिए एक भी कदम आगे बढ़ाती है। निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस प्रकाशित करती है तो उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों के 27 लाख बिजली कर्मचारी विरोध में सड़क पर उतरेंगे। विद्युत कर्मचरी संयुक्त संघर्ष समिति का दावा है कि मंगलवार शाम पांच बजे हुई वीडियो कांफ्रेसिंग में अभियन्ताओं ने हिस्सा नहीं लिया। ऐसे में उन्होंने कर्मचारियों और अभियन्ताओं का वेतन और समयबद्ध वेतनमान कम करने की धमकी दी है। उनके इस बयान से ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशान्ति का वातावरण बन गया है।

प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी, लामबंदी बढ़ाने पर जोर

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति केपदाधिकारियों ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों एवं परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रखा। एलान किया कि अब बिजली कार्मिकों के साथ ही किसान व अन्य उपभोक्ता भी उनके साथ जुड़ध रहे हैं। संघर्ष समिति की मंगलवार को लखनऊ में हुई बैठक में तय किय गया कि बिजली कर्मियों के 181 दिन से आंदोलन चल रहा है। अभी तक प्रबंधन पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण का टेंडर नहीं कर पाया है। भीषण गर्मी है। ऐसे में उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ न हो। इसलिए भी 29 से होने वाले अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित किया जाता है। इस दौरान यह भी तय किया गया कि जिलों में और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन पहले की तरह चलता रहेगा। इस बीच किसी कार्मिक के खिलाफ प्रबंधन ने कार्रवाई की तो वे सड़क पर उतरने के लिए विवश होंगे। इस दौरान संजय सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडे, महेंद्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, चंद्रभूषण उपाध्याय आदि मौजूद रहे। आंदोलन करने वालों की पहचान करें पावर कार्पोरेशन अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने निर्देश दिया कि आंदोलन के जरिए बिजली आपूर्ति प्रभावित करने वाले अभियंताओं और कार्मिकों की पहचान की जाए। उनकी सूची तैयार करें। ऐसे लोगों को कार्पोरेशन की ओर से भेजी गई एडवाइजरी भी भेज दें। अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि बायोमीट्रिक हाजिरी हर स्थान पर सुनिश्चित की जाए। वह मंगलवार को शक्ति भवन में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि जितनी बिजली आपूर्ति हो, उसी हिसाब से राजस्व संग्रह होना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जहां भी लाइन हानियां बढ़ी हैं तथा राजस्व वसूली में कमी आई है, वहां जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विद्युत बिल वसूलने में भीषण सख्ती बरती जाए। अध्यक्ष ने कहा कि श्रेणी एक व दो के अधिकारी 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने में योगदान दें। ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त ना हो इस पर लगातार सजगता बरतिए। अध्यक्ष ने कहाकि ऊर्जा क्षेत्र का रिफार्म प्रदेश की बेहतरी के लिए किया जा रहा है।

5 जून को 7 मंदिरों में होगी प्राण प्रतिष्ठा, 101आचार्य कराएंगे अनुष्ठान, महासचिव ने दी जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 3 जून से शुरू होगा। 5 जून को 7 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मूर्तियां अयोध्या पहुंच चुकी हैं और मंदिरों में विराजमान कर दी गई है। इससे पहले 2 जून को सरयू तट से राम मंदिर तक भव्य कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में अयोध्या व काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे। 5 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 20 संत– धर्माचार्य, 15 गृहस्थ व ट्रस्ट के पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान कोटा के शिव मंदिर में नर्मदेश्वर का शिवलिंग 31 मई को स्थापित कराया जाएगा। इसी दिन इसकी प्राण प्रतिष्ठा भी होगी।

भारी उसम, 29 मई के बाद पूरे प्रदेश में बारिशि के आसार इस बार जून में नहीं चलेगी लू

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में मौसम में कई बदलाव होने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक मौसम में फेर–बदल जारी रहने वाला है।

प्रदेश में हो रही उमस भरी गर्मी और बादलों की आवाजाही के बीच मौसम विभाग ने 29 से 31 मई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में गरज– चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई है। बुधवार के लिए भी प्रदेश के पूर्वी और तराई इलाकों के 30 जिलों में तेज हवाएं चलने और गरज– चमक के साथ बूंदाबादी की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं व आसपास के इलाकों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलने की चेतावनी है। मंगलवार को प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक कहीं भी लू जैसी परिस्थितियां नहीं रहीं। साथ ही कहीं भी दिन का तापमान सामान्य से अधिक नहीं दर्ज किया गया, लेकिन उमस भरी चिपचिपी गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। पूर्वा हवा में नमी की मौजूदगी से आभासी गर्मी, वास्तविक गर्मी से तीन से चार डिग्री ज्यादा महसूस किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 29 मई से प्रदेश में दो–तीन दिनों के लिए बूंदाबांदी और हवा की तीव्रता व क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा। यहां है वज्रपात होने की संभावना सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, फरुखाबाद, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में। जून में अच्छी बारिश की उम्मीद, नहीं चलेगी लू भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार जानकारी दी कि इस मानसून में जून से सितंबर के दौरान चार माह में पूर्वी यूपी में सामान्य से 10 प्रतिशत और पश्चिमी यूपी में सामान्य से 12 प्रतिशत अधिक बारिश की संभावना है। जून माह में देश भर में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश होगी। इस दौरान प्रदेश में औसत तापमान के साथ ही लू की परिस्थितियों के भी सामान्य से कम रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

युवती का यौन शोषण, फोटो गांव में चस्पा करने की दी धमकी

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट निवासी युवती ने बीटेक छात्र अभिनंदन पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि शादी का दबाव बनाने पर आरोपी ने उनकी आपत्तिजनक फोटो गांव में चस्पा करने की धमकी दी। युवती के अनुसार घर में परचून की दुकान है। वर्ष 2017 में बाराबंकी के टिकैतनगर फत्तापुरवा निवासी अभिनंदन सामान की लिस्ट देकर चला गया। रात 8रू30 बजे युवती उसके घर सामान लेकर पहुंची तो सिर्फ अभिनंदन था। आरोप है कि उनके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो व फोटो बना लिए। इसके बाद यौन शोषण करता रहा। वर्ष 2018 में युवती के परिजनों ने उसकी शादी तय कर दी। इसकी जानकारी पर अभिनंदन ने युवती से शादी करने की बात कही। 22 जनवरी को शादी तय हुई पर युवक के घरवाले राजी नहीं हुए। एक मार्च को फिर शादी की तिथि तय की गई तो अभिनंदन ने कार की मांग रख दी। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि अभिनंदन, उसकी मां और बहनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया जाएगा।

फंदे से लटका मिला डिलीवरी बॉय का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। बिजनौर के मुल्लाहीखेड़ा गांव में रहने वाले रविंद्र कुमार राजपूत (20) का शव मंगलवार सुबह अनौरा गांव में पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। कंधे पर बैग टंगा था। लोगों की सूचना पर सरोजनीनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। रविंद्र के मोबाइल पर घंटी बजी तो पुलिस ने कॉल रिसीव की। कॉल मृतक के भाई गोंडा के उरई बेगम गांव निवासी रिंकू की थी। रिंकू के मुताबिक रविंद्र का सरोजनीनगर के अनौरा में ढाबा था। सप्ताह भर पहले वह गांव चला गया था। लौटने के बाद निजी कंपनी में डिलीवरी का काम करने लगा था। सोमवार शाम छोटे भाई धर्मेंद्र को दिल्ली जाना था। रविंद्र उसे छोड़ने चारबाग स्टेशन गया, पर लौटा नहीं था। इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति का कहना है कि रविंद्र ने आत्महत्या की है, पर कारण का पता नहीं चल सका है।

दो के क्रेडिट कार्ड से 2.79 लाख रुपये निकाले

लखनऊ, (संवाददाता)। सीआरपीएफ सिपाही और युवती को बातों में फंसाकर साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड से 2.79 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ितों ने बिजनौर और चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीआरपीएफ केंद्र बिजनौर में तैनात सिपाही अरविंद कुमार के मुताबिक, 14 मई को सुबह 12रू30 बजे अंजान नंबर से काल आई। फोनकर्ता ने खुद को एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट की कर्मी दीपा बताया । उसने बातों में फंसाकर व्हाट्सअप पर लिंक भेजा। इसे खोलते ही अरविंद के क्रेडिट कार्ड से 1.51 लाख रुपये निकल गए। उधर, बिजनौर के माती निवासी रीता गौतम को क्रेडिट कार्ड आईसीआईसीआई बैंक की चौक शाखा से जारी हुआ है। 24 मई को ठग ने बातों में उलझाकर एप डाउनलोड कराया और मोबाइल हैक कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

क्रेन का पट्टा टूटा, युवक के सिर पर गिरा खंभा

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर में मंगलवार दोपहर कंपनी पीएनसी की लापरवाही से स्ट्रीट लाइट का खंभा युवक के सिर पर गिर गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। लखनऊ–कानपुर एलिवेटेड रोड चौड़ी करने के लिए नादरगंज में आजाद नगर मोड़ के पास तीन महीने पहले नगर निगम के लगाए स्ट्रीट लाइट के खंभे को कंपनी हटवा रही है। मंगलवार दोपहर एक बजे काम के दौरान क्रेन का पट्टा टूट गया। इससे खंभा साइकिल से जा रहे 38 वर्षीय अशोक कुमार के सिर पर गिर गया। वह दूध बेचकर घर जा रहे थे। सिर फटने से अशोक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। वहीं, बीच सड़क पर खंभा गिरने से कानपुर से लखनऊ आने वाला यातायात भी बाधित हो गया। नादरगंज तिराहे पर मौजूद ट्रैफिक होमगार्ड प्रताप सिंह ने लोगों की मदद से अशोक को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। एसीपी कृष्णानगर विकास कुमार पांडेय के मुताबिक शिकायत मिलने पर आगे की कार्यवाही होगी दो अप्रैल 2024 को कार के ऊपर बेरिकेडिंग गिर गई थी। कार सवार बाल–बाल बचे थे। – तीन सितंबर 2024 को बंथरा में अनुसंधान केंद्र के सामने निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड से निकली सरिया मजदूर के सिर में घुसकर कान के पास से निकल गई थी। चार सितंबर 2024 को विद्युत लाइन शिफ्टिंग के दौरान भारी भरकम पोल लॉ कॉलेज की शिक्षिका नीलम माया की कार पर गिरा था। कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। 24 मार्च 2025 को कानपुर रोड पर एसयूवी सवार नसीर हुसैन शौच के लिए उतरे थे। इस बीच पीएनसी के खुले छोड़े गए आठ फीट नाले में गिरकर घायल हो गए थे।

सहारा इंडिया के डिप्टी मैनेजिंग वर्कर पर एफआईआर

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज थाने में कोलकाता के संतोषपुर निवासी अरिंदम बनर्जी ने सहारा इंडिया के डिप्टी मैनेजिंग वर्कर ओपी श्रीवास्तव व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि उनका और उनकी पत्नी का करीब दो करोड़ रुपये से ज्यादा का वेतन नहीं दिया जा रहा है। कई बार कंपनी के अफसरों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी के मुताबिक तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। अरिंदम के मुताबिक एक सितंबर 2016 को कंपनी ने उन्हें वरिष्ठ सलाहकार के पद पर नियुक्त किया था। उनकी पत्नी शिबानी ने भी कंपनी में नवंबर 2016 से काम शुरू किया। आरोप है कि अरिंदम का वेतन पहले 4,40,393 रुपये तय हुआ, लेकिन बाद में इसे 5,46,130 रुपये प्रतिमाह किया गया था। वहीं, शिबानी का वेतन 81 हजार रुपये प्रति माह निधारित किया गया। पीड़ित का कहना है कि वेतन का भुगतान नहीं होने पर उन्होंने जुलाई 2022 में कार्यकारी निदेशक मानव संसाधन सुमित रॉय से संपर्क किया। इसपर जून 2023 में उनके खाते में वेतन की कुछ रकम भेजी गई। आरोप है कि कंपनी ने उनका 95,13,761 रुपये वेतन नहीं दिया है। यही नहीं, उनकी पत्नी का भी 20,21,263 रुपये वेतन रोककर रखा गया है। अरिंदम ने कंपनी पर ब्याज समेत 2,03,39,767 रुपये बकाया होने का आरोप लगाया है। कई बार उन्होंने ओपी श्रीवास्तव से संपर्क कर रुपये देने के लिए कहा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर केस दर्ज कराया।

केएनआईटी में प्रोफेसर वार्डन पर बम से हमला, बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों पर संदेह, तहरीर दी

लखनऊ, (संवाददाता)। कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोफेसर व वार्डन डॉ. आरुणी सिंह पर बम से हमला करने का मामला सामने आया है। उन्होंने बीटेक प्रथम वर्ष के नौ छात्रों पर हमले का संदेह जताते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। प्रो. आरुणी सिंह विक्रम साराभाई छात्रावास के वार्डन हैं। उनके मुताबिक मंगलवार रात वह वार्डन कक्ष में कुछ काम कर रहे थे। उन्होंने रात करीब 1:40 बजे बाथरूम की लाइट जलाई, तभी खिड़की पर बम से हमला किया गया, जिसमें खिड़की का शीशा टूट गया। खिड़की पर लगा पर्दा भी फट गया। गनीमत रही कि हमले में वह बच गए। वार्डन बुधवार को कोतवाली पहुंचे और छात्रावास के प्रथम व द्वितीय तल पर रहने वाले बीटेक के नौ छात्रों पर हमला करने का संदेह जताते हुए तहरीर दी है। कोतवाल धीरज कुमार कोतवाल धीरज कुमार का कहना है कि हॉस्टल में बम से हमला किए जाने की बात संदिग्ध लग रही है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी।

प्रदेश की राजधानी में कोरोना की दस्तक, पीजीआई जांच में मरीज निकला पॉजिटिव अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना के रहने वाला बुजुर्ग कोविड पॉजिटिव निकला है। वह दूसरे राज्य से यात्रा करके लौटा था। सांस लेने में तकलीफ होने पर पीजीआई में कोविड की जांच कराई थी। जांच में वह कोरोना पॉजिटिव निकला। पहला केस मिलने बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। आशियाना के रहने वाले बुजुर्ग 60 धार्मिक यात्रा करके उत्तराखंड से वापस लौटे थे। बीती 14 मई को सांस लेने में तकलीफ हुई। परिजनों ने इलाज के लिए पीजीआई में भर्ती कराया था। इलाज के बाद डिस्चार्ज करने से पहले उनका सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। जिसकी रिपोर्ट मंगलवार को पॉजिटिव आई। स्वास्थ्य विभान ने क्लोज कांट्रेक्ट का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। वहीं लखनऊ में पहला केस आने बाद विभाग अलर्ट हो गया है। जेएन 1 वैरिएंट को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को सतर्क रहने, कोविड जांच बढ़ाने, और अस्पतालों में व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ का कहना है किसी भी तरह के लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं और सतर्कता बरतें। को अलर्ट किया था। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के निर्देश दिए गए थे। लक्षण वाले मरीजों को दवा देकर वापस किया जा रहा है। वहीं जिले की 20 सीएचसी

अस्पताल व सीएचसी में जांच ठप राजधानी के सरकारी अस्पताल में कोविड की जांच ठप पड़ी है। लक्षण वाले जांच के भटक रहे हैं। ये हाल तब है जब सीएम ने बीते दिनों सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और स्वास्थ्य इकाइयों पर कोविड जांच के लिए किट तक नहीं है। अफसरों का कहना है कॉरपोरेशन से किट नहीं मिली है। ऐसे में जांच ठप है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है शासन से जांच के लिए अभी कोई गाइड लाइन नहीं आई है।

रंजिश में बीबीए छात्र पर जानलेवा हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। कन्नौज के शेखाना निवासी बीबीए छात्र सकलैन अहमद पर दबंगों ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के गेट के बाहर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार को छात्र के पिता यामीन अहमद ने गुडंबा थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। यामीन के मुताबिक बेटे की अख्तर, मुजाहिद इस्लाम और विशाल से किसी बात पर रंजिश चल रही है। रविवार शाम छह बजे आरोपियों ने बेटे से गाली–गलौज की। विरोध पर अख्तर ने ठोस वस्तु से प्रहार कर दिया। सकलैन का सिर फट गया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। परिचित फहाद ने घटना की सूचना यामीन को दी और सकलैन को अस्पताल में भर्ती कराया। इंस्पेक्टर प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बोनी कपूर ने दाखिल किया फिल्म सिटी का लेआउट प्लान, शूटिंग के साथ होंगे बड़े फिल्म समारोह

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह साफ हो गई है। मंगलवार को निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर–21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि विभिन्न अधिकारियों की मौजूदगी में मंगलवार को फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से पूरी परियोजना से संबंधित लेआउट प्लान को दाखिल किया है। सीईओ अरुण वीर सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा। कोई बदलाव बिना मंजूरी के स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पार्किंग, लैंडस्केपिंग और बागवानी जैसी मंजूरी के लिए अलग से एनओसी लेनी होगी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड पिछले वर्ष जारी किया जा चुका है। परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान 30 जनवरी 2025 को अनुमोदित किया गया। परियोजना का निर्माण तीन चरणों में अगले आठ वर्षों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 230 एकड़ में निर्माण कार्य होगा, जबकि भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज–2 और फेज–3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा। पहले 155 एकड़ में फिल्म स्टूडियो, साउंड स्टेज,

पोस्ट प्रोडक्शन यूनिट और फिल्म इंस्टीट्यूट जैसे मुख्य ढांचे तैयार होंगे। इसके अलावा, 75 एकड़ में रिटेल, ऑफिस और मनोरंजन कॉम्प्लेक्स वाला व्यवसायिक केंद्र बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट करीब 5 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर पैदा करेगा। परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराया जाएगा।

बोनी कपूर ने दाखिल किया फिल्म सिटी का लेआउट प्लान, शूटिंग के साथ होंगे बड़े फिल्म समारोह

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह साफ हो गई है। मंगलवार को निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर–21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि विभिन्न अधिकारियों की मौजूदगी में मंगलवार को फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से पूरी परियोजना से संबंधित लेआउट प्लान को दाखिल किया है। सीईओ अरुण वीर सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा। कोई बदलाव बिना मंजूरी के स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पार्किंग, लैंडस्केपिंग और बागवानी जैसी मंजूरी के लिए अलग से एनओसी लेनी होगी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड पिछले वर्ष जारी किया जा चुका है। परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान 30 जनवरी 2025 को अनुमोदित किया गया। परियोजना का निर्माण तीन चरणों में अगले आठ वर्षों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 230 एकड़ में निर्माण कार्य होगा, जबकि भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज–2 और फेज–3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा। पहले 155 एकड़ में फिल्म स्टूडियो, साउंड स्टेज, पोस्ट प्रोडक्शन यूनिट और फिल्म इंस्टीट्यूट जैसे मुख्य ढांचे तैयार होंगे। इसके अलावा, 75 एकड़ में रिटेल, ऑफिस और मनोरंजन कॉम्प्लेक्स वाला व्यवसायिक केंद्र बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट करीब 5 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर पैदा करेगा। परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराया जाएगा।

नाबालिग से रेप मामले में 24 घंटे में चार्जशीट दाखिल 26 दिन में हुई सजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र में एक पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को आरोपी को पॉक्सो कोर्ट के जज उमेश कुमार ने आरोपी खुर्शीद आलम उर्फ मोहम्मद हमजा को 25 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ

ही 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए पास्को एक्ट के शासकीय अधिवक्ता राजेश उपाध्याय ने बताया कि घटना 27 अप्रैल 2025 की है। पीड़िता अपने साथी बच्चों के साथ गांव के मंदिर में पूजा–पाठ के लिए गई थी। मंदिर के सामने के मैदान में बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान आरोपी खुर्शीद आलम ने बच्ची के साथ दुराचार किया। पीड़िता रोती हुई अपनी मां के पास पहुंची और घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों की मदद से आरोपी को पकड़कर पुलिस को 112 पर सूचना दी गई। थाना प्रभारी विवेचक जय प्रकाश यादव ने 24 घंटे के अंदर जांच पूरी कर न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत की। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महज 26 दिनों में सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता पॉक्सो एक्ट की धारा 5एम६6 के तहत मामला दर्ज किया गया था।नए का कानून संसोधन के बाद यह प्रदेश में पहला मामला है जिसमें इतनी तेजी से कार्रवाई करते हुए दोषी को सजा सुनाई गई है।

पीयू के व्यावसायिक और विज्ञान वर्ग के आठ प्रमुख पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के परिणाम जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने विभिन्न व्यावसायिक और विज्ञान वर्ग के आठ प्रमुख पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय ने इस बार तकनीकी नवाचार करते हुए कुछ पाठ्यक्रमों के परिणाम पहली बार समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन जारी किए हैं। घोषित किए गए परिणामों में बीटेक के पांच विषयों के आठवें सेमेस्टर के नतीजे शामिल हैं। इनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के परिणाम हैं। इसके साथ ही एमएससी के तीन विषयों के चौथे सेमेस्टर के नतीजे भी जारी किए गए हैं। इनमें रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने एमएससी भूविज्ञान के दूसरे सेमेस्टर का परिणाम भी समर्थ पोर्टल पर जारी किया है। इस मामले में गुरुवार को परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया सभी परिणाम पूर्ण पारदर्शिता के साथ जारी किए गए हैं। समर्थ पोर्टल के माध्यम से परिणाम जारी करने से छात्र–छात्राओं को अपने नतीजे देखने में आसानी हुई है। यह कदम विश्वविद्यालय के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

समाज मे महिलाओ की अहम् भूमिका – आशा शुक्ला

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाएं घर से लेकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान पर जगह बनाई हुई है। इसलिए महिलाओं को किसी से कमजोर नहीं महसूस करना चाहिए।कोशिश यही रहे कि वह स्वालंबी बनी रहे।यह बातें गुरुवार को नाका बाईपास पर स्थित सिलाई सेंटर पर कार्य कर रही महिलाओं को मिशन शक्ति योजना

के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कही।उन्होंने महिलाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मिशन शक्ति योजना के बारे में बताया।इस मौके पर शासन द्वारा इस योजना के तहत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं मे शामिल जैसे विधवा पेंशन,वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना के साथ साथ हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया।इसके अलावा उन्होंने महिलाओ से संबंधित अपराध के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया।

हादसे में युवक की मौत, एक घायल

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक हृदय विदारक घटना देखने को मिला। इस घटना में एक परिवार की खुशियां सदा के लिए छीन लिया है। थाना क्षेत्र के नौरंगियादृकप्तानगंज मार्ग के खैरटिया पुल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक को टक्कर मार दिया। इस भीषण टक्कर में बाइक सवार रसीद खान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रामकोला थाना क्षेत्र के रामकोला कस्बे के वार्ड नंबर 5 धुंवाटीकर निवासी रसीद खान रोज की भांति सुबह परिवार के साथ घर का काम निपटा किसी कार्यवश मोटरसाइकिल से नौरंगिया कप्तानगंज मार्ग से खैरटिया पुल के पास पहुंचा ही था कि तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आ गया। जिसमें रसीद खान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मोटर साइकिल पर पीछे बैठा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को स्थानीय लोगों ने आनन–फानन में कोटवा सीएचसी पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अभी उसका इलाज जारी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस को डिजिटल सशक्तिकरण में उत्कृष्ट योगदान के लिए दो प्रतिष्ठित सम्मान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डिजिटल तकनीक के माध्यम से जन शिकायत के त्वरित निस्तारण, कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने और जनता से प्रभावशाली संवाद स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को "Digital Visionary Award" से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें उनकी दूरदर्शिता, नेतृत्व और डिजिटल नवाचारों के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया। साथ ही, उत्तर प्रदेश पुलिस को "Excellence in Digital Media Policing Award" से भी सम्मानित किया गया, जिसे पुलिस महानिदेशक के जनसंपर्क अधिकारी एवं सोशल मीडिया प्रभारी राहुल श्रीवास्तव को दिया गया। यह सम्मान प्रतिष्ठित संस्थानों MAAC एवं NOMES द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोशल मीडिया, डिजिटल रिपोर्टिंग, त्वरित संवाद प्रणाली, न्यूनतम रिस्पान्स टाइम, और साइबर सुरक्षा और रचनात्मक जागरूकता अभियानों के माध्यम से जनता के सशक्त सम्वाद स्थापित किया है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक महोदय ने कहा कि हम MAAC का धन्यवाद करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भविष्य में भी तकनीक और डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करेगी ताकि वह सोशल मीडिया और आधुनिक समय की चुनौतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके। MAAC के निदेशक रमन शर्मा ने अपने संदेश में कहा उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशांत कुमार द्वारा किए गए डिजिटल प्रयास सभी राज्यों की पुलिस के लिए प्रेरणा हैं। हम आशा करते हैं कि यह पहल देशभर में एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा तय करेगी। यह सम्मान न केवल उत्तर प्रदेश पुलिस की डिजिटल परिवर्तन यात्रा की सराहना है, बल्कि यह दर्शाता है कि कैसे तकनीक के माध्यम से पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ–साथ पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

ब्लॉक प्रमुख द्वारा किया गया विकास कार्य सराहनीय :-डॉ हरेन्द्र सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जफराबाद थाना अंतर्गत ब्लॉक प्रमुख सिरकोनी वंशराज सिंह द्वारा अपने चार वर्षों में किया गया विकास कार्य सराहनीय है।यह बातें गुरुवार को सिरकोनी विकास खण्ड मुख्यालय पर क्षेत्र पंचायत की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए पूर्व विधायक डॉ हरेन्द्र प्रसाद सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि आज ब्लॉक के सभी गांव में विकास का कार्य हुआ है।यह प्रसंसनीय है। बैठक में सदस्यों ने पांच करोड़ रुपये के विकास कार्यों का प्रस्ताव दिया। बैठक में उपस्थित क्षेत्र पंचायत सदस्यों व प्रधानों को पिछले वित्तीय वर्षों में हुए कार्यों को एडीओ आइएसबी रामजी सिंह ने पढ़कर सुनाया।जिसकी सभी ने पुष्टि किया।उसके बाद एडीओ एजी आशीष त्रिपाठी ने सदस्यों को बीज उपलब्धता की जानकारी दिया।जिससे किसान आसानी से बीज पा सकें।बीडीओ नीरज जायसवाल ने सदस्यों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन,पेंशन योजना,आवास योजना,राशनकार्ड बनवाने पर चर्चा,एक परिवार एक पहचान पर चर्चा सहित अन्य कई जनहितकारी योजनाओं पर जानकारी दिया।उन्हीने कहा कि अब राशनकार्ड नम्बर ही फैमली नम्बर होगा।बैठक में बतौर विशिष्ट अतिथि बोलते हुए आशुतोष सिंह ने कहा कि ब्लॉक का कोई गांव आज विकास कार्य से अछूता नही है।सभी गांवों में प्रमुख के कार्यो की पट्टिका लगी हुई है।इसके पूर्व अतिथियों का रमेश चन्द्र जायसवाल,शशिकांत पाठक,सजंय सिंह,शुभम सिंह,हर्षित सिंह,अखिलेन्द्र सिंह आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन एडीओ आइएसबी रामजी सिंह ने किया। इस मौके पर एडीओ पंचायत रत्नेश सोनकर,रामाश्रय राय,अंकेश राय,धर्मराज यादव,विनय सिंह,सुरेंद्र चौहान व काफी बीडीसी सदस्य व प्रधान मौजूद रहे।

पीडीए समाज के हक अधिकार पर डाका डाल रही है देश एवं प्रदेश की सरकारें - श्यामलाल पाल'

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जौनपुर में शैक्षणिक एवं सुख दुख सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश प्रदेश की सामंती सरकारों ने संविधान के विपरीत पीडीए समाज के आरक्षण पर अतिक्रमण कर उनके हक अधिकार छीनने का काम कर रही है। आज प्रदेश में अपराध चरम पर है, अपराधियों में शासन प्रशासन का भय शून्य को प्राप्त हो चुका है। पीडीए समाज अब जागरूक हो चुका है आने वाले दिनों में संविधान प्रदत्त वोट की ताकत से इस सामंती सत्ता को उखाड़ फेंकने का काम करेगा। सर्वप्रथम जिले की सीमा पर पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का विधानसभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष राहुल यादव राजमुर्ती सरोज उमाशंकर चौरसिया विधानसभा अध्यक्ष राम इकबाल यादव महासचिव प्रवीण सरोज के नेतृत्व में फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात तत्पश्चात विधानसभा मछली शहर की सीमा में पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में जिला महासचिव आरिफ हबीब जिला सचिव गुलाब यादव जिला पंचायत सदस्य अशोक यादव विकास यादव रविंद्र मौर्य सहित अन्य पदाधिकारियो ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का स्वागत किया। मछली शहर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम नखत में पहलवान गुरुदेव ग्रुप आफ कॉलेज में दीप प्रज्वलित कर एवं महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर मेधावी छात्र और छात्राओं का मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने किया। तत्पश्चात मल्हनी के विधायक लकी यादव की चचेरी माता जी के निधन के उपरांत उनके गृह निवास गहरपुर कारो बरसठी पहुंचकर मुन्ना यादव सहित परिवार जनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। तत्पश्चात विधानसभा क्षेत्र मड़ियाहूं के ग्राम कोचारी में सुभाष पाल की भतीजी की शादी में शिरकत कर अपना आशीर्वाद दिया तथा परिजनों को बधाई दिया।इसके बाद मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत रामपुर बाजार में नगर महासचिव लालचंद यादव के नेतृत्व में सैकड़ों सपाजनों ने माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, विधायक लकी यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, राजेश विश्वकर्मा के साथ साथ जिला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, राजमूर्ति सरोज, राजेंद्र यादव, उमाशंकर पाल, जिला महासचिव आरिफ हबीब, जिला सचिव गुलाब यादव, कैलाशनाथ यादव, श्यामनारायण बिंद, राहुल त्रिपाठी,सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जिला महासचिव आरिफ हबीब ने दी है।

पंडित नेहरू का पंचशील सिद्धांत बेमिसाल- विश्वनाथ चौधरी

बस्ती, (संवाददाता)। मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 61 वीं पुण्यतिथि पर संकल्पों के साथ नमन किया गया। कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के साथ ही उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि पंडित नेहरू का पंचशील सिद्धांत बेमिसाल है, उसका लोहा आज भी दुनिया मानती है।पंडित नेहरू के योगदान पर चर्चा करते हुए पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, संदीप श्रीवास्तव, प्रमोद द्विवेदी, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू आदि ने कहा कि देश को आजाद कराने और उसके बाद नव निर्माण में जवाहर लाल नेहरू की भूमिका अग्रणी रही। उद्योगों के विकास, विदेश नीति, कृषि, रोजगार, रक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में पंडित नेहरू के कुशल नेतृत्व में जो नींव पड़ी उसी के आधार पर देश विकास की ओर है।कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि पंडित नेहरू का योगदान सदैव याद किया जायेगा। आजादी के बाद देश के समक्ष अनगिनत चुनौतियां थीं,।

जून माह का निः शुल्क राशन 30 मई से 10 जून तक वितरित होगा अधिकारी रखेंगे निगरानी

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अंतर्गत जून माह का निःशुल्क राशन 30 मई से 10 जून 2025 तक वितरित किया जाएगा इस दौरान अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के राशन कार्ड धारकों को मुफ्त में गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जाएगा अन्त्योदय कार्ड धारकों को प्रति राशन कार्ड 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल यानी कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा वहीं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 2 किलोग्राम गेहूं और 3 किलोग्राम चावल यानी कुल 5 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क मिलेगा यह वितरण ई–वेइंग से लिंक्ड ई–पॉस मशीनों के माध्यम

से किया जाएगा जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य ने बताया कि वितरण की अंतिम तिथि 10 जून 2025 हैं जिन उपभोक्ताओं का आधार प्रमाणीकरण संभव नहीं हो सकेगा उन्हें अंतिम दिन मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से राशन दिया जाएगा पूर्ति विभाग ने सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे शासन की मंशा के अनुरूप वितरण कार्य को नोडल व पर्यवेक्षक अधिकारियों की उपस्थिति में पारदर्शिता से संपन्न करें जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षकों को वितरण अवधि में लगातार भ्रमणशील रहकर वितरण कार्य की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती हैं तो संबंधित विक्रेता पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी राशन वितरण को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

डी फार्मा के छात्र के हत्यारे को पुलिस ने 24 घंटे में किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,29 मई ।सिकरारा थाना क्षेत्र के समाधगंज बाजार में मछलीशहर थाना क्षेत्र के जमालपुर निवासी अनुज यादव की चाकू से हत्या कर दी गई ।डी फार्मा के छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी मनोज यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्या के आरोपी मनोज यादव को गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही सिकरारा थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया था। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मनोज यादव के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया ।इस सम्बन्ध में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तीन टीमें गठित की गईं। टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मनोज यादव ने बताया कि मृतक का उसकी बेटी से संबंध था। इसी कारण गुस्से में आकर उसने हत्या की। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के शासन को "उदार और प्रभावी शासन का आदर्श" माना जाता है : अमित गुप्ता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नगर पालिका परिषद के परिसर में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की षत्रिशताब्दी स्मृति अभियान एवं महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि अहिल्या बाई महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त उदाहरण है। 1766 से लेकर 1795 में अपनी मृत्यु तक, देवी अहिल्या बाई होल्कर ने मध्य भारत के एक बड़े हिस्से पर इतनी कुशलता से शासन किया कि उनके तीस साल के शासन को "उदार और प्रभावी शासन का आदर्श" माना जाता है। उनकी मातृ–देखभाल में, राज्य समृद्ध हुआ और लोग खुश रहे। उन्हें अवतार (देवत्व का अवतार) कहा गया। कहा जाता है कि उनका जीवन न केवल "भारत की नारी जाति के लिए गौरव की बात है, बल्कि उच्च और निम्न, शासक और शासित सभी के लिए एक आदर्श है" और सनातन धर्म को पुनर्जीवित करने के उनके अथक प्रयास और पिछले छह सौ वर्षों के मुगल शासन के दौरान जो कुछ भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ था, उसके 'पुनर्निर्माण' में उनके अद्वितीय योगदान ने उन्हें भारत के इतिहास में सबसे महान व्यक्तियों में शुमार किया। केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष विनोद राठौर ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन भारतीय इतिहास में एक प्रेरणास्रोत है, जो आज भी शासन, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण के क्षेत्र में आदर्श मानी जाती हैं। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष वेद राम राजपूत एवं हाकिम सिंह ने भी अहिल्या बाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। नगर अध्यक्ष अनिल पांडेय पिंटू ने उपस्थित सभी अभ्यागतों के प्रति आभार व्यक्त किया। अम्बरीष कुमार सक्सेना के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में पी एम स्वनिधि के लाभार्थी चांदनी, फरहत खां, संगीता, शांति देवी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी राजवती, रेखा, राम कली, शिव रानी, सुनीता तथा सफाई कर्मचारी सुमन, फूलन देवी, रेखा, गीता, चंदा, सुशीला, सीता देवी, रेशमा आदि को मुख्य अतिथि अमित गुप्ता एवं अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर के कर कमलों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष कृति वर्मा, भाजपा महामंत्री सुभाष सिंह, सभासद अतुल मिश्र,अजीत कुमार, रमाकांत मौर्य, रचित गुप्ता, अभय वर्मा, सुभाष रस्तोगी, कुलदीप श्रीवास्तव, विपिन मौर्य सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यायपालिका पर पूरा भरोसाः जनहित के लिये जारी रहेगा संघर्ष– संजय प्रताप

बस्ती, (संवाददाता)। चुनावी विवाद में जेल से रिहा होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। रूधौली विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध वैडवा माता मंदिर में विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि न्यायपालिका पर उन्हें भरोसा है। न्यायालय उनके साथ न्याय करेगा। मेरे दुःख के समय में जिन लोगों ने साथ दिया उनके प्रति आभारी हूं। रूधौली विधानसभा क्षेत्र में अनेक स्थानों पर हुये स्वागत के दौरान पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि उनका पूरा जीवन जनता के लिए समर्पित है। जब तक इस शरीर में सांस रहेगी तब तक जनता के हितों की लड़ाई लड़ते रहेगे और अपने राजनेता धर्म का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि बचपन से ही उनके माता–पिता ने समाज सेवा के लिए जो आर्दश हमारे जीवन में स्थापित किया था उस आर्दश को लेकर पूरा जीवन मैं जनता की हक के लड़ाई के लिए निरन्तर लड़ता रहूंगा। भाजपा नेता और संजय प्रताप जायसवाल के जेल से रिहा होने पर उनका स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से भाजपा नेता, कार्यकर्ता, अमरजीत मिश्र, प्रवीण पाठक, अखिलेश सिंह, मनोज सिंह, महेश सिंह, विकास शर्मा, भोला सिंह, मोनू पाठक, विक्की सिंह, रिकूं तिवारी, बलराम सिंह राहुल के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, कार्यकर्ताओं, शुभचिन्तकों ने उनका स्वागत किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।